Fruitful Outcome of the activity:

विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी 2023)

10 जनवरी 2023 को हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भाषा के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। हिंदी के सर्वाधिक प्रयोग कैसे करें छात्राओं को इसकी जानकारी दी गई। भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्व पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अन्तर को विस्तारपूर्वक समझाया गया और यह बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार प्रचार ही है । उदाहरण के साथ यह बताया गया कि हिन्दी किस तरह से विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा है। इसके साथ ही हिंदी सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा है। क्विज में सही जवाब देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।लगभग पचास छात्राओं ने क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

महंथ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय, आरा

सूचना

महाविद्यालय की छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.01.2023 को विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आपसभी की उपस्थिति अपेक्षित है।

स्थान – कमरा संख्या 01, समय - 1 बजे अपराह्न

06/01/23

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

6.1.23

प्रधानाचार्य

विश्व हिंदी दिवस पर क्विज का आयोजन

जासं, आरा : विश्व हिंदी दिवस पर एमएम महिला कालेज में हिंदी विभाग की ओर से क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कालेज की प्राचार्य डा. आभा सिंह ने की। उन्होंने भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए हिंदी को सर्वाधिक प्रयोग एवं इससे जुड़ने पर बल दिया। भाषा के राष्ट्रीय व वैश्विक महत्व के विभिन्न आयामों पर भी चर्चा की।

हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. सुधा निकेतन रंजनी ने छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अंतर को विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कहा कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार प्रचार ही है। शोधार्थी दुर्गेश नंदिनी ने हिन्दी को विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा के साथ-साथ सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया। क्विज में पचास छात्राओं ने हिस्सा लिया। मानसी, सुप्रिया, माधुरी, प्रिया, अंजलि, फरहत, तनु आदि छात्राओं ने सफल घोषित किया गया। सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डा. कुमारी शिल्पा, डा. अनुपमा, डा. शालिनी, डा. अमरेश, डा. रजनी नारसरिया, डा. राखी, डा. खुशबू, डा. अमरजीत, डा. निधि, डा. प्रिया आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

विश्व हिन्दी दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

विश्व हिन्दी दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

शिवक स्तर पर भाषा राष्ट्र की पहचान : आभा सिंह

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आराः विश्व हिंदी दिवस पर एम एम महिला कॉलेज आरा में हिंदी विभाग द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ.आभा सिंह ने किया।

छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्या ने विश्व हिंदी दिवस पर सबको बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रो सिंह ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र की अपनी राष्ट्र भाषा होती है जो विश्व स्तर पर देश की एकता और अस्मिता का बोध कराती है। इन्होंने भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्त्व पर भी चर्चा की।

इन्होंने भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके सर्वाधिक प्रयोग एवं इससे जुड़ने की बात कही। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा निकेतन रंजनी ने छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अन्तर को विस्तारपूर्वक समझाया और यह बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार प्रचार ही है। शोधार्थी दुर्गेश नंदिनी ने हिन्दी को विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा के साथ-साथ सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया।

क्विज में लगभग पचास छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमें मानसी, सुप्रिया, माधुरी, प्रिया, अंजलि, फरहत, तनु आदि छात्राओं ने सफलता हासिल की जिन्हें पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मौके पर डॉ. कुमारी शिल्पा, डॉ अनुपमा, डॉ शालिनी, डॉ अमरेश, डॉ रजनी नारसरिया, डॉ राखी, डॉ खुशबू, डॉ अमरजीत, डॉ निधि, डॉ प्रिया, संगीता सिंह आदि मौजूद रही।

विश्व हिंदी दिवस पर महिला कॉलेज में कार्यक्रम

आरा (एसएनबी)। एम.एम. महिला कॉलेज, आरा के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. आभा सिंह ने किया। उन्होनें भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके सर्वाधिक प्रयोग एवं इससे जुड़ने की बात कही। उन्होंने भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्व पर भी चर्चा की। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा निकेतन रंजनी ने छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अन्तर को विस्तारपूर्वक समझाया और यह बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार-प्रचार ही है। शोधार्थी दुर्गेश नंदिनी ने हिन्दी को विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा के साथ-साथ सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया. क्विज में लगभग पचास छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमें मानसी, सुप्रिया, माधुरी, प्रिया, अंजलि, फरहत, तनु आदि छात्राओं ने सफलता हासिल की जिन्हें पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों डॉ. कुमारी शिल्पा, डॉ. अनुपमा, डॉ. शालिनी, डॉ. अमरेश, डॉ. रजनी नारसरिया, डॉ. राखी, डॉ. खुशबू, डॉ. अमरजीत, डॉ. निधि, डॉ. प्रिया आदि ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए अपने विचार रखे।

एम.एम. महिला कॉलेज, आरा के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विश्व हिंदी दिवस पर भाषा के महत्व पर दी विशेष जानकारी

संवाददाता, आरा

एमएम महिला कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डॉ आभा सिंह ने की. मौके पर डॉ सिंह ने अपने संबोधन में भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके सर्वाधिक प्रयोग एवं इससे जुड़ने की बात कही. उन्होंने भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्व पर भी चर्चा की. हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुधा निकेतन रंजनी ने छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अंतर को विस्तारपूर्वक समझाया और बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार-प्रचार ही है. शोधार्थी दुर्गेश नंदिनी ने हिंदी को विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा के साथ-साथ सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया. क्विज में लगभग पचास

हिंदी दिवस पर क्विज मे शामिल प्रतिभागी छात्राएं .

छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिसमें मानसी, सुप्रिया, माधुरी, प्रिया, अंजलि, फरहत, तनु आदि छात्राओं ने सफलता हासिल की. जिन्हें पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया. अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों डॉ कुमारी शिल्पा, डॉ अनुपमा, डॉ शालिनी, डॉ अमरेश, डॉ रजनी नारसरिया, डॉ राखी, डॉ खुशबू, डॉ अमरजीत, डॉ निधि, डॉ प्रिया आदि ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार रखे.

विश्व की महान भाषाओं में से एक है हिंदी : प्रो बलिराज : आरा. विश्व हिंदी दिवस पर भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन आरा के तत्वावधान में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रोफेसर बलिराज ठाकुर की अध्यक्षता में गोष्ठी हुई, जिसमें हिंदी की वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई. गोष्ठी का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर प्रोफेसर बलिराज ठाकुर, डॉक्टर नंदजी दुबे, प्रोफेसर दिवाकर पांडेय कवि आलोचक जितेंद्र कुमार ,शिवदास सिंह, जनार्दन मिश्र और डॉक्टर सत्य नारायण उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया. अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रोफेसर बलिराज ठाकुर ने कहा कि हिंदी के द्वारा हम विश्व के एक बहुत बड़े समुदाय के साथ जुड़े हैं. हिंदी राष्ट्रीय एकता के मूल को सिंचती एवं दृढ़ करती है. उसका वही स्वरूप होना चाहिए, जो परिनिष्ठित हो. भारत को अंग्रेजी के मोह से मुक्त होना चाहिए, प्रोफेसर ठाकुर ने कहा कि हिंदी विश्व की महान भाषाओं में से है. प्रोफेसर दिवाकर पांडेय ने कहा कि किसी देश और जनता को गौरव मिलने से उसकी भाषा को भी सम्मान मिलता है. जितेंद्र कुमार और डॉ सत्यनारायण उपाध्याय ने कहा कि भारत की हिंदी और अन्य भाषाओं में भक्ति तथा दार्शनिक साहित्य का भंडार है. संचालन डॉक्टर नंद जी दुबे और धन्यवाद ज्ञापन शोध छात्र पंकज कुमार ठाकुर ने किया. जनार्दन मिश्र, शिवदास सिंह, डॉक्टर ममता मिश्र , मधु मिश्र, संजय दुबे, रंगजी सिंह, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, अफजल हुसैन चांद, राम पुकार सिंह, शशिकांत तिवारी, डॉक्टर मालती पांडेय, शिव शंकर चौबे और राजेश मिश्र सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये.

महन्थ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय आरा
वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की

महिला महाविद्यालय, आरा
कल्पलतेव विद्या
विश्वविद्यालय, आरा की अंगीभूत ईकाई
विभाग
10 जनवरी
विश्व हिंदी दिवस

ला महाविद्यालय, आरा
लय, आरा की अंगीभूत ईकाई
विभाग
10 जनवरी
विश्व हिंदी दिवस

महन्त
वीर कुंवर

10 जनवरी
हिंदी
पीठासीन पदाधिकारी

महादेवानन्द महिला महाविद्यालय, आरा
कल्पलतेव विद्या
कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,
ईकाई